DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Times of India
EDITION: Varanasi

Food distributed in PM's adopted villages

The Avaada Foundation distributed food packets in Jayapur (800 households), Nagepur (600 households), and Kakariya (350 households) villages in Varanasi district on Monday. These villages were adopted by the Prime Minister Narendra Modi.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Hindustan Times
EDITION: Varanasi

Avaada Foundation distributing food, ration

PRAYAGRAJ : Avaada Foundation is distributing food packets in Jayapur (800 households), Nagepur (600 households) and Kakariya (350 households) villages in Varanasi district. These villages are adopted by Prime Minister Narendra Modi.

Avaada is ramping up the number of food packets and locations, said Vineet Mittal, chairman, of the group.

HTC

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: The Pioneer
EDITION: Varanasi

Food packets distributed in PM's adopted villages

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

When the nation is fighting hard against the excruciating second wave of the coronavirus pandemic, many philanthropic and social groups are supporting the hospitals and patients by providing medical equipment, oxygen etc and tirelessly working to distribute food packets and ration to the daily wage workers and marginal communities. In this direction, Avaada Foundation, the philanthropic arm of the Avaada Group of companies, is distributing 800 food packets in Jayapur, 600 in Nagepur and 350 house households in Kakariya villages of the district daily. All these three villages have been adopted by Prime Minister Narendra Modi under Adarsh Sansad Gram Yojana.

The foundation is also undertaking the similar humanitarian response in many places in Maharashtra, Gujarat and Rajasthan to help the daily wage workers, migrant labourers and other who are facing a challenging time due to ongoing lockdown restrictions.

Besides, the foundation sets up four hospitals with 300 beds along with two oxygen plants and distributing ventilators (BiPAP), oxygen cylinders and oxygen concentrators at different locations in Rajasthan and Maharashtra. According to Avaada Group Chairman Vineet Mittal, until the day everyone gets vaccinated, food is the best medicine. 'Lack of necessities like food could result in social unrest, a rise in migration, and widespread under-nutrition among populations previously immune from hunger. I believe that everyone is indebted to his nation and one should repay his debt in his lifetime. The debt of love, prosperity and progress that the great land of Varanasi has given us, we must repay. I hope these efforts can alleviate the situation,' he said.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
EDITION: Varanasi

वाराणसी के जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

वाराणसी। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन - अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग - अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Dainik Aaj
EDITION: Varanasi

अवाडा फाउंडेशनने की वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल

नयी दिल्ली। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन – अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग–अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।अवाडा फाउंडेशन जयापुर में नागेपुर में और ककरहिया गावों में खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने के पैकेट वितरित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Dainik Jagran (I-Next)
EDITION: Varanasi

मोदी के गांव में मिल रहा मुफ्त राशन

MUMBAI: पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए गए गांव वाराणसी के जयापुर, नागेर और ककररहिया में अवाडा फाउंडेशन राशन और खाने के पैकेट वितरित कर रहा है. अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कि जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Rashtriya Sahara
EDITION: Varanasi

जयापुर गांव में राशन का वितरण

वाराणसी। कोरोना संक्रमण के बीच जयापुर गांव में दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के लोगों को खाने के पैकेट और राशन प्रदान किया जा रहा है। इस मदद से वे भी काफी राहत महसूस कर रहे हैं। दरअसल अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज के द्वारा वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोना वायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए मदद करने का संकल्प लिया गया। इस क्रम में अब तक जयापुर में 800 घरों में, नागेपुर में 600 घरों में और ककरहिया गावों में 350 घरों में खाने के पैकेट वितरित किया गया है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Samachar Dhara
EDITION: Varanasi

अवाडा फाउंडेशन द्वारा भोजन और राशन वितरित

वाराणसी इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन – अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग – अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोना वायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।खाने के पैकेट वितरित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है। इसके अतिरिक्त अवाडा फाउंडेशन गुजरात के सुंदरनगर ज़िले के ताल. सना गांव में वहाँ के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की मदद कर रहा है कोविड केयर सेंटर स्थापित करने में। हम मौजूदा स्वास्थ्य केंद्र का जीर्णोद्धार कर उसे आईसीयू वार्ड बना रहे हैं, सभी आधुनिक सुविधाएं जैसे आईसीयू बेड, सलाइन स्टैंड, दवाई का ट्रे आदि के साथ।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Samachar Jyoti
EDITION: Varanasi

अवाडा फाउंडेशन द्वारा जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

वाराणसी इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन – अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग – अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीजों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।खाने के पैकेट वितरित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है। इसके अतिरिक्त अवाडा फाउंडेशन गुजरात के सुंदरनगर जिले के तालसना गांव में वहाँ के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की मदद कर रहा है कोविड केयर सेंटर स्थापित करने में। हम मौजूदा स्वास्थ्य केंद्र का जीर्णोद्धार कर उसे आईसीयू वार्ड बना रहे हैं, सभी आधुनिक सुविधाएं जैसे आईसीयू बेड, सलाइन स्टैंड, दवाई का ट्रे आदि के साथ।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Pioneer Hindi
EDITION: Varanasi

पीएम मोदी के गोद लिए जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन व राशन

वाराणसी। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन . अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग . अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा हैए उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर परए अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कीए जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाताए तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Khabar Vision
EDITION: Varanasi

अवाडा फाउंडेशन द्वारा वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

वाराणसी इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन – अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का परोपकारी अंग – अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वित. रित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।खाने के पैकेट वितरित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है। इसके अतिरिक्त अवाडा फाउंडेशन गुजरात के सुंदरनगर ज़िले के तालसना गांव में वहाँ के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की मदद कर रहा है कोविड केयर सेंटर स्थापित करने में। हम मौजूदा स्वास्थ्य केंद्र का जीर्णोद्धार कर उसे आईसीयू वार्ड बना रहे हैं, सभी आधुनिक सुविधाएं जैसे आईसीयू बेड, सलाइन स्टैंड, दवाई का ट्रे आदि के साथ।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Bharat Ekta Times
EDITION: Varanasi

अवाडा फाउंडेशन द्वारा जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

वाराणसी इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन – अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का परोपकारी अंग – अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समा. जों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वित. रित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।खाने के पैकेट वितरित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है। इसके अतिरिक्त अवाडा फाउंडेशन गुजरात के सुंदरनगर ज़िले के तालसना गांव में वहाँ के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की मदद कर रहा है कोविड केयर सेंटर स्थापित करने में। हम मौजूदा स्वास्थ्य केंद्र का जीर्णोद्धार कर उसे आईसीयू वार्ड बना रहे हैं, सभी आधुनिक सुविधाएं जैसे आईसीयू बेड, सलाइन स्टैंड, दवाई का ट्रे आदि के साथ।

DATE: 19 May 2021

PUBLICATION: Amar Ujala
EDITION: Varanasi

कहीं भोजन तो कहीं दवाएं देकर कर रहे मदद

वाराणसी। वैश्विक महामारी कोरोना के दौर में सामाजिक संस्थाएं निराश्रितों और गरीबों तक भोजन पहुंचा रही हैं। तो कोई दवा व मेडिकल उपकरण मुहैया करा रही है। कोरोना के संकट काल में सामाजिक संस्थाएं शिद्दत से मदद करने का सिलसिला जारी रखा है। सोमवार को भी कई सामाजिक संस्थाओं ने जिला प्रशासन व लोगों तक मदद पहुंचाई।

600 परिवारों में बांटी खाद्य सामग्री

मिर्जामुराद। सांसद आदर्श ग्राम नागेपुर में मंगलवार को अवाडा फाउंडेशन के तरफ से कोरोना संक्रमण के संकट में जूझ रहे 600 जरूरतमंद परिवारों को राहत सामग्री वितरित की गई। नागेपुर के ग्राम प्रधान मुकेश कुमार तथा लोक समिति संयोजक नंदलाल मास्टर के नेतृत्व में युवाओं ने घर घर जाकर राशन पहुंचाया। अवाडा फाउंडेशन के दीपक जना ने बताया कि नागेपुर में कुल 600 परिवारों में राहत सामग्री बांटी गई है।

नागेपुर में परिवारों में बांटी गई राहत सामग्री।

DATE: 19 May 2021

PUBLICATION: Dainik Jagran
EDITION: Varanasi

अवाडा फाउंडेशन ने 600 परिवारों में बांटी राहत सामग्री

मिर्जामुराद : प्रधानमंत्री के सांसद आदर्श गांव नागेपुर में मंगलवार को अवाडा फाउंडेशन की ओर से लॉकडाउन के दौरान परेशानी से जूझ रहे 600 जरूरतमंद परिवारों में निश्शुल्क सूखा राहत सामग्री (अनाज) वितरित किया गया। मास्क बांटकर कोरोना संक्रमण से बचने के लिए जागरूक भी किया गया। (जासं)

DATE: 19 May 2021

PUBLICATION: State Media
EDITION: Varanasi

अवाडा फाउंडेशन ने वितरित किया भोजन व राशन

वाराणसी **(स्टेट मीडिया)** इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन-अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का परोपकारी अंग-अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में।

वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में) और नागेपुर में (600 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है।

इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों

का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीजों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इजाफा होने की संभावना है।

मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला। खाने के पैकेट वितरित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है।

इसके अतिरिक्त अवाडा फाउंडेशन गुजरात के सुंदरनगर जिले के तालसना गांव में वहाँ के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की मदद कर रहा है कोविड केयर सेंटर स्थापित करने में। हम मौजूदा स्वास्थ्य केंद्र का जीर्णोद्धार कर उसे आईसीयू वार्ड बना रहे हैं, सभी आधुनिक सुविधाएं जैसे आईसीयू बेड, सलाइन स्टैंड, दवाई का ट्रे आदि के साथ।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
EDITION: Lucknow

वाराणसी के जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

वाराणसी। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन - अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग - अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Dainik Jagran (I-Next)
EDITION: Lucknow

मोदी के गांव में मिल रहा मुफ्त राशन

MUMBAI: पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए गए गांव वाराणसी के जयापुर, नागेर और ककररहिया में अवाडा फाउंडेशन राशन और खाने के पैकेट वितरित कर रहा है. अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कि जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: The Pioneer
EDITION: Lucknow

Food packets distributed in PM's adopted villages

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

When the nation is fighting hard against the excruciating second wave of the coronavirus pandemic, many philanthropic and social groups are supporting the hospitals and patients by providing medical equipment, oxygen etc and tirelessly working to distribute food packets and ration to the daily wage workers and marginal communities. In this direction, Avaada Foundation, the philanthropic arm of the Avaada Group of companies, is distributing 800 food packets in Jayapur, 600 in Nagepur and 350 house households in Kakariya villages of the district daily. All these three villages have been adopted by Prime Minister Narendra Modi under Adarsh Sansad Gram Yojana.

The foundation is also undertaking the similar humanitarian response in many places in Maharashtra, Gujarat and Rajasthan to help the daily wage workers, migrant labourers and other who are facing a challenging time due to ongoing lockdown restrictions.

Besides, the foundation sets up four hospitals with 300 beds along with two oxygen plants and distributing ventilators (BiPAP), oxygen cylinders and oxygen concentrators at different locations in Rajasthan and Maharashtra. According to Avaada Group Chairman Vineet Mittal, until the day everyone gets vaccinated, food is the best medicine. 'Lack of necessities like food could result in social unrest, a rise in migration, and widespread under-nutrition among populations previously immune from hunger. I believe that everyone is indebted to his nation and one should repay his debt in his lifetime. The debt of love, prosperity and progress that the great land of Varanasi has given us, we must repay. I hope these efforts can alleviate the situation,' he said.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Rashtriya Sahara
EDITION: Lucknow

अवाडा फाउंडेशन पहुंचा रही सहायता

लखनऊ। अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का अंग-अवाडा फाउंडेशन दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग को खाने के पैकेट और राशन पहुंचा रहा है। चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कि अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर (800 घरों में), नागेपुर (600 घरों में) और ककरहिया गांव (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए हैं।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Pioneer Hindi
EDITION: Lucknow

पीएम मोदी के गोद लिए जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन व राशन

वाराणसी। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन . अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग . अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा हैए उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर परए अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कीए जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाताए तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Hamara Metro
EDITION: Lucknow

वाराणसी में अवाडा फाउंडेशन द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गोद लिए

जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन व राशन

लखनऊ इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन – अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग – अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक

भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला। खाने के पैकेट वितरित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है। इसके अतिरिक्त अवाडा फाउंडेशन गुजरात के सुंदरनगर ज़िले के तालसना गांव में वहाँ के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की मदद कर रहा है कोविड केयर सेंटर स्थापित करने में। हम मौजूदा स्वास्थ्य केंद्र का जीर्णोद्धार कर उसे आईसीयू वार्ड बना रहे हैं, सभी आधुनिक सुविधाएं जैसे आईसीयू बेड, सलाइन स्टैंड, दवाई का ट्रे आदि के साथ।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Janmadhyam
EDITION: Lucknow

अवाडा फाउंडेशन द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गोद लिए

वाराणसी के जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

लखनऊ। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन - अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग - अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।

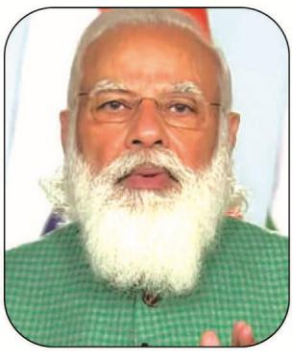

अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है।

इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Spasth Awaz
EDITION: Lucknow

पीएम के गोद लिए गांव जयापुर में भोजन और राशन का वितरण

लखनऊ (स्पष्ट आवाज)। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में 800 घरों में नागेपुर में 600 घरों में और ककरहिया गावों में 350 घरों में खाने के

पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उददेश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा मानना है कि मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Voice of Lucknow
EDITION: Lucknow

अवाडा ने वितरित किया भोजन-राशन

मुंबई। भारत में पैर पसार रहा मानवीय संकट बेहद पीड़ादायक है। इस कठिन समय में जब भारत इस भयावह कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है। अवाडा फाउंडेशन-अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का परोपकारी अंग-अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा विकराल रूप ले चुकी इस कोरोना वायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Jansandesh Times
EDITION: Lucknow

अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा गांव में वितरित कर रहा भोजन और राशन

प्रधानमंत्री मोदी ने गोद लिया है गांव

लखनऊ भारत में पैर पसार रहा मानवीय संकट बेहद पीड़ादायक है। इस कठिन समय में जब भारत इस भयावह कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है, हमारे समाज का आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ वर्ग जैसे दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी मजदूर एक बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा हैं। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन - अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का परोपकारी अंग - अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।

अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है।

फिलहाल में, अवाडा फाउंडेशन द्वारा महाराष्ट्र के मुंबई, अमरावती और सोलापुर जिलों में, गुजरात के सुंदरनगर में और राजस्थान के बीकानेर जिले में खाने के पैकेट का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीजों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इजाफा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण 'राष्ट्र ऋण' है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।

DATE: 19 May 2021

PUBLICATION: Pioneer Hindi
EDITION: Lucknow

अवाडा ने यूपी के दिहाड़ी मजदूरों की मदद की

मुंबई। इस कठिन समय में जब भारत इस भयावह कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है। हमारे समाज का आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ वर्ग जैसे दिहाड़ी मज़दूर, प्रवासी मज़दूर एक बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा हैं। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन , अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचा रहा है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा में 800 घरों में नागेपुर में 600 घरों में और ककरहिया गावों में 350 घरों में खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कि जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Lucknow News
EDITION: Lucknow

Avaada Foundation is distributing Food Item and Ration at Jayapur Village of Varanasi District

Mumbai -The humanitarian crisis now unfolding in India is agonizing. As India battles the excruciating 2nd wave of the pandemic, people living on the margins like daily wage workers, migrant laborers are facing a challenging time. In these trying times, the Avaada Foundation,the philanthropic arm of the Avaada Group of companies,is tirelessly working to distribute food packets and ration to daily wage workers and marginal communities. Avaada Foundation today announced a substantial increase in the number of people it plans to assist around the country, as the devastating socio-economic impacts of the COVID-19 pandemic push millions of more people into food insecurity in low- and middle-income communities.

Avaada Foundation is distributing food packets in Jayapur (800 households), Nagepur (600 households), and Kakariya (350 households) villages in Varanasi District. These villages are adopted by the Hon'ble Prime Minister of India – Shri Narendra Modi. To tackle the rising tide of hunger, Avaada is undertaking a humanitarian response, ramping up the number of food packets and locations. Currently, the organization is distributing food packets at Mumbai, Amravati, and Solapur Districts of Maharashtra, Surendranagar District of Gujarat,and Bikaner district of Rajasthan.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: The Pioneer
EDITION: Allahabad

Food packets distributed in PM's adopted villages

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

When the nation is fighting hard against the excruciating second wave of the coronavirus pandemic, many philanthropic and social groups are supporting the hospitals and patients by providing medical equipment, oxygen etc and tirelessly working to distribute food packets and ration to the daily wage workers and marginal communities. In this direction, Avaada Foundation, the philanthropic arm of the Avaada Group of companies, is distributing 800 food packets in Jayapur, 600 in Nagepur and 350 house households in Kakariya villages of the district daily. All these three villages have been adopted by Prime Minister Narendra Modi under Adarsh Sansad Gram Yojana.

The foundation is also undertaking the similar humanitarian response in many places in Maharashtra, Gujarat and Rajasthan to help the daily wage workers, migrant labourers and other who are facing a challenging time due to ongoing lockdown restrictions.

Besides, the foundation sets up four hospitals with 300 beds along with two oxygen plants and distributing ventilators (BiPAP), oxygen cylinders and oxygen concentrators at different locations in Rajasthan and Maharashtra. According to Avaada Group Chairman Vineet Mittal, until the day everyone gets vaccinated, food is the best medicine. 'Lack of necessities like food could result in social unrest, a rise in migration, and widespread under-nutrition among populations previously immune from hunger. I believe that everyone is indebted to his nation and one should repay his debt in his lifetime. The debt of love, prosperity and progress that the great land of Varanasi has given us, we must repay. I hope these efforts can alleviate the situation,' he said.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Times of India
EDITION: Allahabad

Food distributed in PM's adopted villages

The Avaada Foundation distributed food packets in Jayapur (800 households), Nagepur (600 households), and Kakariya (350 households) villages in Varanasi district on Monday. These villages were adopted by the Prime Minister Narendra Modi.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Dainik Aaj
EDITION: Allahabad

अवाडा फाउंडेशनने की वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल

नयी दिल्ली। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन – अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग–अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।अवाडा फाउंडेशन जयापुर में नागेपुर में और ककरहिया गावों में खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने के पैकेट वितरित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Allahabad Express
EDITION: Allahabad

अवाडा फाउंडेशन द्वारा जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

प्रयागराज इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन – अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग – अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समा. जों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वित. रित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा

सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।खाने के पैकेट वितरित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है। इसके अतिरिक्त अवाडा फाउंडेशन गुजरात के सुंदरनगर जिले के तालसना गांव में वहाँ के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की मदद कर रहा है कोविड केयर सेंटर स्थापित करने में। हम मौजूदा स्वास्थ्य केंद्र का जीर्णोद्धार कर उसे आईसीयू वार्ड बना रहे हैं, सभी आधुनिक सुविधाएं जैसे आईसीयू बेड, सलाइन स्टैंड, दवाई का ट्रे आदि के साथ।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
EDITION: Allahabad

वाराणसी के जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

वाराणसी। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन - अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग - अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Dainik Jagran (I-Next)
EDITION: Allahabad

मोदी के गांव में मिल रहा मुफ्त राशन

MUMBAI: पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए गए गांव वाराणसी के जयापुर, नागेर और ककररहिया में अवाडा फाउंडेशन राशन और खाने के पैकेट वितरित कर रहा है. अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कि जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Hindustan Times
EDITION: Allahabad

Avaada Foundation distributing food, ration

PRAYAGRAJ : Avaada Foundation is distributing food packets in Jayapur (800 households), Nagepur (600 households) and Kakariya (350 households) villages in Varanasi district. These villages are adopted by Prime Minister Narendra Modi.

Avaada is ramping up the number of food packets and locations, said Vineet Mittal, chairman, of the group.

HTC

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Jeevan Express
EDITION: Allahabad

Avaada Foundation is distributing Food Item and Ration at Jayapur Village of Varanasi District

Mumbai -The humanitarian crisis now unfolding in India is agonizing. As India battles the excruciating 2nd wave of the pandemic, people living on the margins like daily wage workers, migrant laborers are facing a challenging time. In these trying times, the Avaada Foundation,the philanthropic arm of the Avaada Group of companies,is tirelessly working to distribute food packets and ration to daily wage workers and marginal communities. Avaada Foundation today announced a substantialincrease in the number of people it plans to assist around the country, as the devastating socio-economic impacts of the COVID-19 pandemic push millions of more people into food insecurity in low- and middle-income communities.Avaada Foundation is distributing food packets in Jayapur , Nagepur , and Kakariya villages in Varanasi District. These villages are adopted by the Hon'ble Prime Minister of India - Shri Narendra Modi.To tackle the rising tide of hunger, Avaada is undertaking a humanitarian response, ramping up the number of food packets and locations.Currently,the

organization is distributing food packets at Mumbai, Amravati,and Solapur Districts of Maharashtra, Surendranagar District of Gujarat,and Bikaner district of Rajasthan.On this occasion, Mr. Vineet Mittal - Chairman, Avaada Group, said, "Until the day everyonegets vaccinated, food is the best medicine. Lack of necessities like food could result in social unrest, a rise in migration, and widespread under-nutrition among populations previously immune from hunger. I believe that everyone is indebted to his Nation - Rashtra Rin, and one should repay his debt in his lifetime. The debt of love, prosperity,and progress that the great land of Varanasi has given us, we must repay. I hope these efforts can alleviate the situation."Apart fromthe food distribution initiative, Avaada Foundation sets up 4 Hospitals with 300 beds along with two oxygen plantsand distributing Ventilator (BiPAP), Oxygen Cylinders,and Oxygen Concentrators at different locations in Rajasthan & Maharashtra. We are helping the 'Primary Health Centre' (PHC) of Talsana village at Surendranagar District of Gujarat to establish COVID Care Centre. We are renovating the health center and converting it to an ICU ward with modern facilities, including ICU beds, Saline Stands, Medicine Trays, etc.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: NIP
EDITION: Allahabad

Avaada Foundation is distributing Food Item and Ration

Mumbai -The humanitarian crisis now unfolding in India is agonizing. As India battles the excruciating 2nd wave of the pandemic, people living on the margins like daily wage workers, migrant laborers are facing a challenging time. In these trying times, the Avaada Foundation,the philanthropic arm of the Avaada Group of companies,is tirelessly working to distribute food packets and ration to daily wage workers and marginal communities. Avaada Foundation today announced a substantial-increase in the number of people it plans to assist around the country, as the devastating socio-economic impacts of the COVID-19 pandemic push millions of more people into food insecurity in low- and middle-income communities.Avaada Foundation is distributing food packets in Jayapur (800 households), Nagepur (600 households), and Kakariya (350 households) villages in Varanasi District. These villages are adopted by the Hon'ble Prime Minister of India - Shri Narendra Modi.To tackle the rising tide of hunger, Avaada is undertaking a humanitarian response, ramping up the number of food packets and locations.Currently,the organization is distributing food packets at Mumbai, Amravati,and Solapur Districts of Maharashtra, Surendranagar District of Gujarat,and Bikaner district of Rajasthan.On this occasion, Mr. Vineet Mittal - Chairman, Avaada Group, said, "Until the day everyonegets vaccinated, food is the best medicine. Lack of necessities like food could result in social unrest, a rise in migration, and widespread undernutrition among populations previously immune from hunger. I believe that everyone is indebted to his Nation - Rashtra Rin, and one should repay his debt in his lifetime. The debt of love, prosperity,and progress that the great land of Varanasi has given us, we must repay. I hope these efforts can alleviate the situation."Apart fromthe food distribution initiative, Avaada Foundation sets up 4 Hospitals with 300 beds along with two oxygen plantsand distributing Ventilator , Oxygen Cylinders,and Oxygen Concentrators at different locations in Rajasthan & Maharashtra. We are helping the 'Primary Health Centre' (PHC) of Talsana village at Surendranagar District of Gujarat to establish COVID Care Centre. We are renovating the health center and converting it to an ICU ward with modern facilities, including ICU beds, Saline Stands, Medicine Trays, etc.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Pioneer Hindi
EDITION: Allahabad

पीएम मोदी के गोद लिए जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन व राशन

वाराणसी। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन . अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग . अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा हैए उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर परए अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कीए जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाताए तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Prayagraj Times
EDITION: Allahabad

अवाडा फाउंडेशन द्वारा जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

प्रयागराज इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन – अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग – अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।खाने के पैकेट वित. रित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है। इसके अतिरिक्त अवाडा फाउंडेशन गुजरात के सुंदरनगर ज़िले के तालसना गांव में वहाँ के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की मदद कर रहा है कोविड केयर सेंटर स्थापित करने में। हम मौजूदा स्वास्थ्य केंद्र का जीर्णोद्धार कर उसे आईसीयू वार्ड बना रहे हैं, सभी आधु. निक सुविधाएं जैसे आईसीयू बेड, सलाइन स्टैंड, दवाई का ट्रे आदि के साथ।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Rashtriya Sahara
EDITION: Allahabad

अवाडा फाउंडेशन पहुंचा रही सहायता

लखनऊ। अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का अंग-अवाडा फाउंडेशन दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग को खाने के पैकेट और राशन पहुंचा रहा है। चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कि अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर (800 घरों में), नागेपुर (600 घरों में) और ककरहिया गांव (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए हैं।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Spasht Awaz
EDITION: Allahabad

पीएम के गोद लिए गांव जयापुर में भोजन और राशन का वितरण

लखनऊ (स्पष्ट आवाज)। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में 800 घरों में नागेपुर में 600 घरों में और ककरहिया गावों में 350 घरों में खाने के

पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उददेश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है।

अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा मानना है कि मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Voice of Lucknow
EDITION: Allahabad

अवाडा ने वितरित किया भोजन-राशन

मुंबई। भारत में पैर पसार रहा मानवीय संकट बेहद पीड़ादायक है। इस कठिन समय में जब भारत इस भयावह कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है। अवाडा फाउंडेशन-अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का परोपकारी अंग-अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा विकराल रूप ले चुकी इस कोरोना वायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है।

DATE: 19 May 2021

PUBLICATION: Gyan Shikha Times
EDITION: Allahabad

अवाडा फाउंडेशन से वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

प्रयागराज। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन–अवाडा ग्रुप ऑफ़कंपनीज का परोपकारी अंग–अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुंचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में) और नागेपुर में (600 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीज़ों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।खाने के पैकेट वितरित करने की पहल के अतिरिक्त, अवाडा फाउंडेशन ने राजस्थान और महाराष्ट्र में अलग अलग जगह पर 300 बेड के 4 अस्पताल और 2 ऑक्सीजन प्लांट बनवाने, और वेंटीलेटर, ऑक्सीजन सिलिंडर, और ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर उपलब्ध कराने की पहल भी की है। इसके अतिरिक्त अवाडा फाउंडेशन गुजरात के सुंदरनगर ज़िले के तालसना गांव में वहाँ के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की मदद कर रहा है कोविड केयर सेंटर स्थापित करने में। हम मौजूदा स्वास्थ्य केंद्र का जीर्णोद्धार कर उसे आईसीयू वार्ड बना रहे हैं, सभी आधुनिक सुविधाएं जैसे आईसीयू बेड, सलाइन स्टैंड, दवाई का ट्रे आदि के साथ।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Dainik Aaj
EDITION: Kanpur

अवाडा फाउंडेशन कर रहा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की मदद

मुंबई, 17 मई। भारत भयावह कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है, हमारे समाज का आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ वर्ग जैसे दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी मजदूर एक बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा हैं। चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन - अवाडा ग्रुप ऑफ कम्पनीज का अंग प्रयास कर रहा है। ग्रुप दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में लगा है। अवाडा फाउंडेशन ने अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा में 800 घरों में, नागेपुर में 600 घरों में और ककरहिया गावों में 350 घरों में खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Jansandesh Times
EDITION: Kanpur

अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा गांव में वितरित कर रहा भोजन और राशन

प्रधानमंत्री मोदी ने गोद लिया है गांव

मुंबई। भारत में पैर पसार रहा मानवीय संकट बेहद पीड़ादायक है। इस कठिन समय में जब भारत इस भयावह कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है, हमारे समाज का आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ वर्ग जैसे दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी मजदूर एक बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा हैं।इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन - अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का परोपकारी अंग - अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है।

अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है।

फिलहाल में, अवाडा फाउंडेशन द्वारा महाराष्ट्र के मुंबई, अमरावती और सोलापुर जिलों में, गुजरात के सुंदरनगर में और राजस्थान के बीकानेर जिले में खाने के पैकेट का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, ₹जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। खाने जैसी अत्यावश्यक चीजों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इजाफा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण 'राष्ट्र ऋण' है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला। *एजेंसी*

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Swatantra Bharat
EDITION: Kanpur

अवाडा विस्तार योजना

अवाडा फाउंडेशन अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। फिलहाल में, अवाडा फाउंडेशन द्वारा महाराष्ट्र के मुंबई, अमरावती और सोलापुर ज़िलों में, गुजरात के सुंदरनगर में और राजस्थान के बीकानेर ज़िले में खाने के पैकेट का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Swatantra Chetna
EDITION: Kanpur

जयपुरा गांव में वितरित किया जा रहा भोजन और राशन

चेतना समाचार सेवा

कानपुर नगर। भारत में पैर पसार रहा संकट बेहद पीड़ादायक है। इस कठिन समय में जब भारत इस भयावह कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है, हमारे समाज का आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ वर्ग जैसे दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी मजदूर एक बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा हैं। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन – अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का परोपकारी अंग – अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वा-रा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: The Pioneer
EDITION: Kanpur

Food packets distributed in PM's adopted villages

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

When the nation is fighting hard against the excruciating second wave of the coronavirus pandemic, many philanthropic and social groups are supporting the hospitals and patients by providing medical equipment, oxygen etc and tirelessly working to distribute food packets and ration to the daily wage workers and marginal communities. In this direction, Avaada Foundation, the philanthropic arm of the Avaada Group of companies, is distributing 800 food packets in Jayapur, 600 in Nagepur and 350 house households in Kakariya villages of the district daily. All these three villages have been adopted by Prime Minister Narendra Modi under Adarsh Sansad Gram Yojana.

The foundation is also undertaking the similar humanitarian response in many places in Maharashtra, Gujarat and Rajasthan to help the daily wage workers, migrant labourers and other who are facing a challenging time due to ongoing lockdown restrictions.

Besides, the foundation sets up four hospitals with 300 beds along with two oxygen plants and distributing ventilators (BiPAP), oxygen cylinders and oxygen concentrators at different locations in Rajasthan and Maharashtra. According to Avaada Group Chairman Vineet Mittal, until the day everyone gets vaccinated, food is the best medicine. 'Lack of necessities like food could result in social unrest, a rise in migration, and widespread under-nutrition among populations previously immune from hunger. I believe that everyone is indebted to his nation and one should repay his debt in his lifetime. The debt of love, prosperity and progress that the great land of Varanasi has given us, we must repay. I hope these efforts can alleviate the situation,' he said.

Besides, the leading social organisation of the city, Vishal Bharat Sansthan (VBS), which has already set up its war room at Lamahi for providing 24 hours supply of ration, food packets and medicines to the Covid patients and their families, has extended its social work as it has received five oxygen concentrators from Sewa International (New Delhi). For providing the training of using oxygen concentrators and check blood pressure, oxygen level, temperature, blood sugar etc,

Aditya Vikram Shah, an expert, gave training to some VBS volunteers which was inaugurated online by executive council member of RSS Indresh Kumar from New Delhi on Monday.

VBS has also set up its oxygen and medicine centres at Patalpuri Math, Narharpura and Khushhal Nagar. The function was also attended by Mahant Balak Das of Patalpuri Math, VBS founder president Dr Rajeev Srivastava, Ashok Sehgal, Mohd Azharuddin, Nazma Parveen, Nazneen Ansari and Dr Mridula Jaiswal and it was presided over by Dr Niranjan Srivastava while conducted by Managing Director of VBS Archana Bharatvanshi.

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Voice of Lucknow
EDITION: Kanpur

अवाडा ने वितरित किया भोजन-राशन

मुंबई। भारत में पैर पसार रहा मानवीय संकट बेहद पीड़ादायक है। इस कठिन समय में जब भारत इस भयावह कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है। अवाडा फाउंडेशन-अवाडा ग्रुप ऑफ कंपनीज का परोपकारी अंग-अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा विकराल रूप ले चुकी इस कोरोना वायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है।

DATE: 19 May 2021

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
EDITION: Kanpur

वाराणसी के जयापुर गांव में वितरित किया जा रहा है भोजन और राशन

वाराणसी। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन - अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज का परोपकारी अंग - अथक प्रयास कर रहा है दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए, अवाडा फाउंडेशन ने आज अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयापुर में (800 घरों में), नागेपुर में (600 घरों में) और ककरहिया गावों में (350 घरों में) खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर, अवाडा ग्रुप के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल ने कहा की, जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

खाने जैसी अत्यावश्यक चीजों की कमी के कारण आम जनता की एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मेरा ऐसा मानना है कि, मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है, और आपदा की इस घड़ी में हमें इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा अपने राष्ट्र ऋण को चुकाने का। वाराणसी ने अनंत काल से प्रेम, समृद्धि एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें सेवा का मौका मिला।

DATE: 19 May 2021

PUBLICATION: Pioneer Hindi
EDITION: Kanpur

अवाडा ने यूपी के दिहाड़ी मजदूरों की मदद की

मुंबई। इस कठिन समय में जब भारत इस भयावह कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है। हमारे समाज का आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ वर्ग जैसे दिहाड़ी मज़दूर, प्रवासी मज़दूर एक बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा हैं। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन , अवाडा ग्रुप ऑफ़ कंपनीज दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचा रहा है। अवाडा फाउंडेशन वाराणसी के जयपुरा में 800 घरों में नागेपुर में 600 घरों में और ककरहिया गावों में 350 घरों में खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। बढ़ती भुखमरी को देखते हुए और उसका सामना करने के उद्देश्य से अवाडा फाउंडेशन ने अपने द्वारा वितरित खाने के पैकेट की संख्या और अपनी पहुँच में एक ठोस विस्तार किया है। इस अवसर पर अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कि जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है।

DATE: 18 May 2021

PUBLICATION: Spasht Awaz
EDITION: Kanpur

वाराणसी के गांवों में भोजन व राशन का वितरण शुरु

कानपुर (स्पष्ट आवाज)। भारत में पैर पसार रहा मानवीय संकट पीड़ादायक है। इस कठिन समय में जब भारत इस भयावह कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है समाज का आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग जैसे दिहाड़ी मज़दूर, प्रवासी मज़दूर एक बेहद चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहा है। इस चुनौतीपूर्ण समय में अवाडा फाउंडेशन दिहाड़ी मजदूर एवं निम्न आय वर्ग के समाजों को खाने के पैकेट और राशन पहुँचाने में। वर्तमान में विकराल रूप ले चुकी इस कोरोनावायरस महामारी के कारण लाखों निम्न और मध्यम वर्गीय लोगों पर जो खाद्य अनिश्चितता का घना संकट आ पड़ा है, उसे देखते हुए अवाडा फाउंडेशन ने अपने सहायता प्रयासों में एक ठोस विस्तार करने की घोषणा की है। फाउंडेशन ने वाराणसी के जयपुरा में 800 घरों में, नागेपुर में 600 घरों में और ककरहिया में 350 घरों में खाने के पैकेट वितरित कर रहा है। ये तीनों गांव पीएम द्वारा गोद लिए हुए गांव हैं। अवाडा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा जब तक भारत में सब लोगों का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक भोजन ही सबसे उत्तम दवाई है। एक बड़ी जनसँख्या में बड़े पैमाने पर पलायन में बढ़ोतरी और कुपोषण में इज़ाफ़ा होने की संभावना है। मानव जीवन का सबसे बड़ा ऋण राष्ट्र ऋण है।